

23/09/2020

पञ्जावली पेश हुई मधिविवा उपपपत्र 39।
 मधिविवा उपपपत्र की पञ्जावली पर
 बहस सुनी गई। मधिविवा मपीलांट ने
 बहस करते हुए विवेक किया कि
 मपीलांटगण ग्राभीण परिषद से मनपद
 होने से नारीज पेशी की जानकारी
 नहीं होने से न्यायालय में उपस्थित
 नहीं हो सके तथा मधिविवा की
 गलती का खासियाना पक्षकार को
 देना न्यायोचित नहीं है अतः मपीलांट
 का रेस्टोरेशन अ.का स्वीकार

करनाया जावे।
 मधिविवा रेसा. ने बहस करते हुए विवेक
 किया कि मपीलांटगण जानबूझकर
 नारीज पेशी पर हाथ नहीं डुब सके
 मपीलांट ने अपनी लिखित बहस
 पेश कर रखी थी। मपीलांट
 हाथ पेश रेस्टोरेशन अ.का पत्र

पत्र बहाल हो तिलक का कोई
 संतोषजनक कारण नहीं बताया है।
 अतः मपीलांट का आवेदन खारिज
 करनाया जावे। यदि न्यायालय
 इस आवेदन को स्वीकार करता है
 तो श्री कास्ट के साथ स्वीकार

अधिकतर उच्चपदा की पत्रावली पर बहस सुनी
गयी बहस सुनने एवं पत्रावली का व्यापक
अवलोकन करने पर न्यायालय इस निष्कर्ष पर
पहुँचा कि हस्तगत प्रकरण का तकनीकी बिंदुओं
पर निहाराते करने की बजाय गुणावगुण
पर निर्णय करना प्रायोगिक है। अपीलों को
प्रकृष्टा का निहाराण गुणावगुण पर करने
का अवसर देना विधि समझ ही अपीलों
ग्राहीण परिधि एवं अनपद होने के उनके
तादीय जेवी की जानकारी नहीं होने से
न्यायालय में उपस्थित नहीं आ पाये इस
सदकारिके भूल मानते हुए प्रकृष्टा करना
विधिसमर एवं प्राकृतिक न्याय समझ है
अतः अपीलों का आवेदन बहिन अपील
बशापद स्वीकार किया जाकर अदिश
दिने जाते है कि अपील क्र. ५४१७ नं. पर
दज ही पत्रावली केसल गुणावगुण नम्बर
से ऊपर होकर बाद तकनीक दायित्व
दिए ही अदिश में हजलस सुनाया
गया।